कला की विस्तृत जानकारी by बापूजी

परम शांति... आज मैं बेहद के बच्चों को कला के बारे में थोड़ा ओर डिटेल में बताता हूं कि जैसे ब्रह्मांड का शिव होता है। शिव परमात्मा निराकार पूर्णब्रह्म। निराकार को ही हमेशा पूर्णब्रह्म कहते हैं। तो शिव की आत्मा में (शिव परमात्मा में) निराकार में 1 से 4 कला की पावर होती है। क्योंकि अनंत कोटि ब्रह्मांडों में जो अलग-अलग कैटेगरी के शिव हैं। तो उसमें 1 से 4 कला की पावर होती है। इसलिए ब्रह्मांड भी छोटे बड़े होते हैं। जैसे 1 कला का हमारा ब्रह्मांड है। 1 कला का पावर, तो 1 प्रकाश वर्ष होता है। तो 1 प्रकाश वर्ष का डायमीटर 188 खरब किलोमीटर होता है मतलब रेडियस, धरती से ऊपर का रेडियस 94 खरब किलोमीटर होता है। तो अब कोई सोलर सिस्टम, कोई ब्रह्मांड 2 प्रकाश वर्ष का है, कोई अढाई प्रकाश वर्ष का है, कोई आधा प्रकाश वर्ष का है, कोई 3 प्रकाश वर्ष का है। तो उसके हिसाब से शिव की कैपेसिटी कितनी होती है। क्योंकि शिव अलग-अलग कैपेसिटी के हैं। 1 से 4 कला के उसके हिसाब से, वो अपनी पावर के हिसाब से ब्रह्मांड बनाते हैं। अब महाब्रह्मांड माना गैलेक्सी माना आकाशगंगा माना मिल्की वे। जो हमारी 1 लाख प्रकाश वर्ष का है। तो उसके अंदर, महाशिव के अंदर 8 से 12 कला की पावर होती है। कोई में 8 कला की, कोई में 9 कला की, कोई में 10 कला की, कोई में 11 कला की , कोई में 12 कला की और वो अपनी पावर के हिसाब से अपने गैलेक्सियां बनाते हैं और जो परम महाशिव हैं मतलब यूनिवर्स का मालिक रचियता। उसमें 16 से 20 कला की पावर होती है, यूनिवर्स। अब जो ग्रेट यूनिवर्स होता है। उसमें 24 कला से 28 कला तक। फिर ग्रेट ग्रेट यूनिवर्स में 30 से 35 कला। ऐसे ग्रेट ग्रेट G17 में बढ़ते जाओ। तो आगे 40 कला के आस-पास, कोई 45 कला तक, कोई 50 कला तक। तो ऐसे G17 तक। जो अलग-अलग कला के पावर में बैठे हुए हैं और हमारा जो मल्टीवर्स का जो रचयिता है। उसके पास 100 कला की पावर थी और मल्टीवर्स का रचियता, ऐसे खरबों मल्टीवर्स हैं, ग्रेट मल्टीवर्स में। तो खरबों मल्टीवर्स हमारे जो हैं। उसका रचियता 101 कला वाला माना पहली पीढ़ि होती है। 101 कला माना पहली पीढ़ि, 201 कला माना 2 पीढ़ि, 301 कला माना 3 पीढ़ि, 401 कला माना 4 पीढि, 501 कला माना 5 पीढ़ि, 6, 7, 8, 9, 10 पीढ़ि ऐसे करते-करते 21 पीढि तक जाओ। तो 21 पीढि माना 2100 कला, 31 पीढ़ि माना 3100 कला, 41 पीढ़ि माना 4100 कला। ऐसे 101 पीढ़ि माना 10001 कला। 1001 पीढ़ि माना उसके पीछे 2 जीरो लगा दो, हमेशा। तो एक लाख कला। 11000 पीढ़ि तो 11 लाख कला। 1 लाख पीढ़ि तो 2 जीरो लगाओ। तो 1 करोड हो जाएगा। तो ऐसे बेहद का विश्व है। बेहद की कला का ब्रह्मांड। तो बेहद की कला का ब्रह्मांड, जिसकी बुद्धि में आ जाता है कि बेहद की कला का ब्रह्मांड कितना बड़ा होगा। बुद्धि से यह सब सोचना है। जो सोचोगे, वो ही पाओगे। बेहद की सोच रखो, हमेशा। बेहद के विश्व कल्याण की सोच रखो, हमेशा। तुम बेहद के विश्व सेवा धारी हो। हमेशा याद रखो। अपनी ड्यूटी याद रखो कि मैं बेहद के विश्व कल्याणकारी हूं। मैं बेहद के विश्व सेवा धारी हूं और मुझ को सबको सुख देना है। सुख देने वाला, दुःख हरने वाला। तो बेहद की आत्माएं जो हैं, मेंन 108 हो, 1008 हो। कोई भी बेहद की आत्मा हो। उनकी ड्यूटी है कि वो बेहद के विश्व सेवा धारी बनकर। बेहद की परम शांति के वाइब्रेशंस फैलाकर। ज्ञान संकल्पों से जाएगा, आगे चलकर। केवल परम शांति के वाइब्रेशंस पकड़ कर ही तुम्हारे पास आएंगे। इसलिए कलाओं का ज्ञान बुद्धि में आ जाए, थोड़ा। यह जरूरी है। सोचो मैं कौन सी कैटेगरी की आत्मा हूं। कितना ज्ञान समझ में आता है। बेहद का पूरा ज्ञान, जितनी भी वीडियोस डाली हैं। वो कई बार देखोगे। तो पूरा ज्ञान समझ में आ जाएगा, पूरा ज्ञान। सब्जेक्ट है, ज्ञान। जितना ज्ञान बुद्धि में होगा। उतना ही योग लगेगा और जितना ही ज्ञान, योग होगा। उतनी ही संकल्पों से सेवा होगी और जितने ही तीन सब्जेक्ट कंप्लीट होगा। उतना जीवन में अव्यक्त स्वरूप को धारण करना माना लाइट स्वरूप को धारण करना, दिव्य स्वरूप को धारण करना। तो चारों सब्जेक्ट क्लियर होंगे और जो फर्स्ट क्लास में आने वाले होंगे। वो 108 में आएंगे, पास विद् ऑनर अष्ट रत्न, 8 हैं। जो पास विद् ऑनर हैं। तो अभी सब का लक्ष्य एक ही होना चाहिए। नए साल में अभी सभी को, हम विश्व परिवर्तक आत्मा हैं। हम केवल विश्व परिवर्तक नहीं। हम बेहद के विश्व परिवर्तक आत्मा हैं। बेहद की दुनिया को बदलेंगे और केवल परम शांति के वाइब्रेशंस से ही, परम शांति के वाइब्रेशंस चारों ओर भर दो। इतना भर दो, इतना भर दो... कि वायुमंडल परम शांति से भर जाए। धरती का नहीं, पूरा। पूरे मल्टीवर्स का परम शांति से वायुमंडल भर जाए। तो चारों ओर परम शांति... हो जाएगी। तो नेगेटिव कुछ रहेगा ही नहीं। तो जो भ्रष्टाचारी हैं। वो भी श्रेष्टाचारी बन जाएंगे। वो भी बदल जाएंगे। सबको हमें बदलना है। किसी से बदला नहीं लेना है। बदल कर दिखाना है, हमें। सब को बदलना है। परिवर्तन करना है। नेगेटिव से पॉजिटिव बदलना है। भ्रष्टाचारियों को भी श्रेष्टाचारी बनाना है। यह हमारी ड्यूटी है। इसलिए वो भी किसी को कहे, बिना। यह हमारी ड्यूटी करना है, हमें। परम शांति...